**भारत सरकार**

**सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 3464**

**उत्तर देने की तारीख** 24.03.2022

**प्लास्टिक पुनर्चक्रण और अपशिष्ट प्रबंधन**

3464. **श्री सुधीर गुप्ता**:

श्री विद्युत बरन महतो:
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणेः
श्री श्रीरंग आप्पा बारणेः
श्री प्रतापराव जाधवः
श्री मनोज तिवारीः
श्री सुब्रत पाठकः
श्री रविन्दर कुशवाहाः
श्री संजय सदाशिव राव मांडलिकः
श्री रवि किशनः

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हाल ही में अखिल भारतीय प्लास्टिक विनिर्माता संघ (एआईपीएमए) के सहयोग से प्लास्टिक पुनर्चक्रण और अपशिष्ट प्रबंधन पर एक अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने विशेषकर देश के आकांक्षी जिलों के युवाओं के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए दो विशेष पहले 'संभव' और 'स्वावलंबन' भी शुरू की है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त पहलों की मुख्य विशेषताएं क्या हैं;

(घ) क्या सरकार का विभिन्न राज्यों के एमएसएमई के बीच प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन और पुनर्चक्रण प्रौद्योगिकियों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार अपने मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत प्लास्टिक उद्योग में रोजगार के अवसर विकसित करने पर काम कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं; और

(च) इस तरह का शिखर सम्मेलन देश में पुनर्चक्रण और अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में एमएसएमई के लिए व्यावसायिक अवसर खोलने में किस प्रकार सहायक होगा?

**उत्तर**

**सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री**

**(श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा)**

(क) जी हाँ, एमएसएमई मंत्रालय ने दिनांक 4-5 मार्च, 2022 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग स्कीम के अंतर्गत नई दिल्ली में प्लास्टिक पुनर्चक्रण और अपशिष्ट प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय वृहत-शिखर सम्मेलन आयोजित किया। 2 दिवसीय वृहत-शिखर सम्मेलन में प्लास्टिक पुनर्चक्रण क्षेत्र में अवसरों और चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने के लिए शैक्षणिक समुदाय और उद्योग से विशिष्ट राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वक्ता एक ही मंच पर उपस्थित थे तथा भारत में प्लास्टिक के लिए संचारण एवं निरंतरता कैसे प्राप्त की जा सकती है, हालांकि देश के सकल घरेलू उत्पाद में जोड़ते हुए तथा इस उभरते खंड के लिए उपकरण और सृजनात्मक वित्तपोषण पुनर्चक्रण प्रौद्योगिकियों के उन्नयन तथा नई नौकरियों को सृजित करने के लिए गहन विचार-विमर्श किया गया। इस कार्यक्रम में प्लास्टिक उद्योग और एमएसएमई के विभिन्न भागों से 300 से अधिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति थी। इस कार्यक्रम में कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ आकांक्षी(वरचुएली) रूप से भी उपस्थित थे।

(ख) और (ग): आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) के अंतर्गत प्रतिष्ठित सप्ताह समारोह के भाग के रूप में, एमएसएमई मंत्रालय अपने 100 से अधिक क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से देश भर के विभिन्न कालेजों में 28.02.2022 से लेकर 31.03.2022 तक 'संभव'-राष्ट्रीय स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम (एनएलएपी) संचालित कर रहा है। मंत्रालय 'स्वावलंबन' नामक एक विशेष अभियान के अंतर्गत नौ राज्यों को कवर करते हुए 46 आकांक्षी जिलों में 250 से अधिक 'नुक्कड़ नाटक' भी आयोजित कर रहा है। मंत्रालय द्वारा इसकी विभिन्न स्कीमों और पहलों पर जागरूकता फैलाने और युवाओं के बीच उद्यमिता संस्कृति के संवर्धन के लिए इन विशेष पहलों का आरंभ किया गया है।

(घ) से (च): एमएसएमई मंत्रालय प्लास्टिक सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए देश भर में नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है। सरकार प्लास्टिक उद्योग के विकास के लिए उद्योग संगठनों और हितधारकों को भी सहायता प्रदान करती है जिसके परिणाम स्वरूप रोजगार के अवसर सृजित होते हैं।

सम्मेलन के दौरान, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्षेत्र में नए व्यवसाय के अवसर मौजूद थे जिससे दर्शकों को प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन में स्टार्टअप की भूमिका को समझने में सहायता मिली। सम्मेलन में नई पद्धतियों और प्रौद्योगिकियों को दर्शाया गया जिससे प्लास्टिक अपशिष्ट संग्रह पृथक्करण और पुनर्चक्रण से संबंधित चुनौतियों पर काबू पाने में सहायता मिलेगी। यह सम्मेलन प्लास्टिक पुनर्चक्रण को एक नए व्यवसाय उद्यम के रूप में अपनाने के लिए आधारभूत उद्यमियों को प्रोत्साहित करने में भी सहायता करेगा। सम्मेलन के दौरान विभिन्न प्रस्तुतिकरणों के माध्यम से साझा किए गए सुझाव और नई पद्धतियां नए व्यवसाय के अवसर खोजने के लिए इन सुझावों को कार्यान्वित करने के लिए उद्योग को प्रोत्साहित करेगी।

*****